यह कौन है?

आपको आशीष दे भाई। प्रभु के भवन में आकर बहुत ही अच्छा लगता है।

2 मैं सोचता हूं कि मैं कुछ समय पहले किसी वचन का अध्ययन कर रहा था, और उसने कहा कि जब यीशु यरूशलेम के निकट आया, तो चेलों ने उनकी आंखों को उठाया, और उन्होंने दूर से पवित्र नगर को देखा, और वे आनन्दित होने लगे और कहने लगे, कि, "अब राज्य लौटाया जाएगा।"

3 और यह एक व्यक्ति जो फिलिस्तीन की हाल की यात्रा के बारे में बता रहा था या बात कर रहा था, और उसने कहा कि लोग अब, पिछले वर्ष में, उस एक जगह पर आ रहे थे, जब वे घाटी से ऊपर आये और मोड़ की ओर देखा, उसी मार्ग पर जिस पर यीशु और चेले उस समय चल रहे थे, कि जब वे उस नगर को देखने लगे, तब उन्होंने रोना आरंभ किया।

4 आप जानते हैं, मैं सोचता हूं, उन चेलो को कुछ तो हुआ था, उन दिनों में, महसूस किया, कि—कि राज्य फिर से लौटाया जाएगा।

5 और अब लगभग यही समय है। और मेरा विश्वास है कि लोगों में यही अनुभूति हो रही है, कि राज्य फिर से लौटाये जाने के लिए लगभग तैयार है।

6 भाई नेविल, हमारे दयाशील और धन्य पास्टर, उन्होंने अभी–अभी मेरे साथ भवन में आगे आने वाले बेदारी के प्रयास के बारे में बात की, कुछ रातों में, इसके बारे में प्रार्थना करने के लिए कहा। और मैंने उसे बताया, मैंने सोचा कि यह एक आशीषित बात होगी।

7 आपके पास बहुत सारी बेदारियाँ नहीं हो सकती हैं। और बहुत सी बार हमें एक बेदारी का गलत विचार मिलता है। एक बेदारी इतना नहीं है जैसे कि नए सदस्यों को लाया जाए, लेकिन यह उसे जागृत करना है जो हमारे पास पहले से है। और मैं...

8 मुझे यह कहना पसंद करता हूं, क्योंकि मैं इसे अपने हृदय की गहराइयों से कहता हूं। कि मैं भवन के आसपास एक भिन्न अनुभूति को होने लगे, उससे अधिक जो लंबे समय से रहा है, गहरी आत्मिक चेतना की—की

एक अनुभति, जैसे कि यह बहुत समय पहले हुआ करती थी; यह ऐसा कुछ जो स्थिर रहता है, और इसके पास एक वास्तविक बुनियाद होती है। और मैं भरोसा करता हूं कि परमेश्वर इस छोटी सी कलीसिया को आशीष देगा, और... ? ... फिर से अपनी सामर्थ में।

9 और मैं देख रहा हूं कि ईमारत की योजना चल रही है, और मैं सोचता हूं कि यह बहुत अच्छी बात है। क्योंकि जल्द या देर से हम जो पहले के लोग है अपने हथियार उतार कर और हमारे बच्चों के हाथों में सौंप देंगे, और उस सुनहरी सीढ़ी पर चढ़ेगे।

10 एक दिन मैंने पचास वर्ष की उम्र के उस आधे रास्ते को पार कर लिया। मैं बस इसका एहसास नहीं हो सका। ऐसा नहीं लगता जैसे कोई समय नहीं हुआ है जब मैं क्रिस मीस्नर के लिए किराने का सामान ढोकर लाता था, लगभग अठारह, सोलह, अठारह वर्ष का था। लेकिन अब कहीं तो चला गया। यह बस यही दिखाता है कि यहां हमारे पास कोई हमेशा का नगर नहीं है, लेकिन हम आने वाले उस एक नगर के लिए देख रहे हैं। और यही वह नगर है जहां का बनाने वाला परमेश्वर है, और वहां उसका कोई अंत नहीं होगा।

11 आज सुबह, जब मैं मातृ दिवस के विषय पर बोल रहा था, और माँ को स्थान पर रखने की कोशिश कर रहा है वैसा नहीं जैसा वह वास्तव में होती है, बुढ़ापे में, झुर्रियों के साथ, और यह सब, उसकी बैसाखियाँ, या एक पुरानी पहिये वाली कुर्सी या हाथ की कुर्सी, और उसके पास एक छोटा फूलों का एक गुलदस्ता रखा होता है; लेकिन पुनरुत्थान में माँ, अपनी जवानी में वापस लौट आती है, और एक रानी के रूप में चमकती हुई खड़ी होती है। इसी तरह से मैं अपनी मां के बारे में सोचना पसंद करता हूं। मुझे उसके बारे में इस तरह से सोचना पसंद नहीं है जैसे वह आज है, बूढ़ी। मैं यह सोचना पसंद करता हूं जो वो आगे होने जा रही है। और मैं जानता हूं कि आप अपनी माँ के बारे में ऐसा ही महसूस करते हैं। उसके बारे में सोचो जैसे वो वास्तव में उसके हृदय में है। हालांकि बहुत... जैसा कवि कहता है, "उसके लिए जीवन आसान नहीं रहा है, लेकिन वो इसे एक बार फिर जीती है, बस आपके लिए कुछ तो करने के लिए।" तो परमेश्वर इसे इस तरह से बनाने जा रहा है ताकि वो हमेशा के लिए आपके साथ रह सके। तो मैं इसके लिए खुश हूं।

12 मैं नहीं जानता क्यों, मैंने आज सुबह यह घोषणा की, कि मैं आज रात बोलूंगा, यदि प्रभु ने चाहा, तो: *यह कौन है?* निश्चित रूप से नहीं जानता कि मैं इसे कैसे करने जा रहा हूं। लेकिन मैं व्यस्त रहा हूं लगभग एक घंटा और दस मिनट पहले तक, सारे दोपहर भर इंटरव्यू या भेंटवार्ता में, और विशेष और—और आपातकालीन फोन थे। मैं उन्हें नहीं कर पाया।

13 और मैं चाहता हूं कि आप डॉक्टर सैम के लिए निरंतर प्रार्थना में रहें। वो—वो ठीक होकर आ रहे है, और हम धन्यवादित हैं। और डॉक्टर बाल्डविन और श्रीमती बाल्डविन दोनों का सुधार हो रहा हैं। वे भी ठीक हो रहे हैं।

14 मैं चाहता हूं कि आप आज दोपहर को अपनी प्रार्थना सूची में एक नया नाम डाल दे। वे है हैरी लीज यहाँ नीचे, जो दवाई–विक्रेता है। हैरी मेरा एक गहरा मित्र है। और जिस वक़्त से मैं उसे जानता हूं, मैंने सोचा कि वह एक मसीही है, आज दोपहर तक, जब उनके भाई ने उनकी प्राण के उद्धार के लिए विनंती की। भाई माइक एगन ने लाया... हमारे ट्रस्टी, ने यहां खबर को लाया। और हैरी की हालत गंभीर है, वे वहां अस्पताल में है। मैं नहीं जानता था कि उसने मेरे बारे में इतना सोचा; लेकिन, उसने आज दोपहर अपने स्वयं के पास्टर से मुंह मोड़ लिया, या कलीसिया के पास्टर से जहां वो जाते है, और चाहते थे कि मैं उन्हें मिलने के लिए आऊं। और मैं उसे देखने के लिए जाना चाहता हूं। तो, हैरी के लिए प्रार्थना करें।

15 हम आज रात यहाँ खुश हैं, फिर से देखकर, कि मेरा मित्र यहाँ हैं, जो वहां जॉर्जिया से है, भाई वेल्च इवांस और उनका परिवार। मैं, दुसरे बाहर से आये लोगो को भी देखता हूं, जिन्हें मैं नहीं जानता, शायद वे आज सुबह यहां पर थे।

16 यदि मैं गलत नहीं हूँ, तो मैं भाई और बहन एल्मर कोलिन्स को जो फीनिक्स, एरिज़ोना से है वहाँ पीछे देखता हूँ। ओह, आप नहीं बदले है। ऐसा लगता है कि आपको अपने रेल कर्मचारी के कपड़े में होना चाहिए, और—और जैसे आप रेल की पटरी से आ रहे है। और घर वापसी में स्वागत है! मैं आपको यहां रहने के लिए नहीं कह सकता, क्योंकि आपने एक बेहतर जगह को पा लिया है, देखो, यह बहुत अच्छा स्थान है, फीनिक्स। मुझे खुद वहाँ कभी तो भविष्य में रहना पसंद है।

17 और फिर मैं भाई स्मिथ को यहां देखता हूं, जो वहां चर्च ऑफ गॉड से है। भाई स्मिथ, उस दिन या कल दोपहर को यह आपकी छोटी किताब, देर से मुझे दी गई थी। मैंने इसे अभी तक नहीं पढ़ा है, लेकिन मैं निश्चित रूप से इसका समर्थन करूंगा, जहाँ तक मैं समझता हूं कि आपने इसे लिखा है। ये वास्तव में, सच्चा वचन होगा। परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं आशा करता हूं कि यह एक सफलता है।

18 और बहुत से अन्य है, मैं कह सकता हूँ। आप सभी का यहां भवन में स्वागत है। और मैंने आज सुबह उस गीत का आनंद लिया, बहन स्ट्रीकर ने जो गाया था, "वो झरोखे में से उसे देख रहा है।" यहाँ मेरे मेनोनाइट के भाई लोग है, उन्हें यहाँ अंदर पाकर खुशी हुई। और, ओह, आप सभी को पाकर! यहाँ एक मित्र है, मैं सोचता हूं, जो वहां इलिनॉइस से है, उनका पुत्र वहां पीछे रिकॉर्डिंग को ले रहा है, उनसे फिर से मिलूंगा। और बहुत सारे है, मैं शायद... यह मत सोचना कि यदि मैं आपका नाम नहीं लेता हूं तो मैं आपका तिरस्कार कर रहा हूं, लेकिन मैं आप सभी का स्वागत करता हूं।

19 अब आइये हम आज रात को एक वचन के विषय के लिए पढ़ें, मत्ती के 21वे अध्याय से, 1ले पद से आरंभ करते हुए, और आगे पढेंगे, और 11वां पद, मिलाकर।

> *और जब वे यरूशलेम के निकट पहुंचे,* वहां आये, *और* जैतून *पहाड़ पर बैतफगे के* पास आए, *तो यीशु ने दो चेलों को भेजा,*
>
> *यह कहकर कि अपने साम्हने के गांव में जाओ, वहां पंहुचते ही* तुम्हे *एक गदही बन्धी हुई, और उसके साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा: उन्हें खोलकर, मेरे पास ले आओ।*
>
> *और यदि तुम में से कोई कुछ कहे, तो कहो, कि प्रभु को इन का प्रयोजन है: तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा।*
>
> *यह इसलिये हुआ, कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो,*
>
> *कहो... सिय्योन की* बेटी *से कहो, देख, तेरा राजा तेरे पास आता है, वह नम्र है... और गदहे पर बैठा है, वरन लादू के बच्चे पर।*

चेलों ने जाकर, और जैसा यीशु ने उन से कहा था, वैसा ही किया,

और गदही और बच्चे को लाकर, उन पर अपने कपड़े डाले, और वह उन पर बैठ गया।

और बहुतेरे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए; और लोगों ने पेड़ों से डालियां काट कर मार्ग में बिछाईं।

और जो भीड़ आगे आगे जाती और पीछे पीछे चली आती थी, पुकार पुकार कर कहती थी, कि दाऊद की सन्तान को होशाना: धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है; आकाश में होशाना।

और जब उस ने यरूशलेम में प्रवेश किया, तो सारे नगर में हलचल मच गई; और लोग कहने लगे, यह कौन है?

और भीड़ ने कहा, यह नासरत का भविष्यद्वक्ता यीशु है...

आइए हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाएं।

20 हे प्रभु, हम सोचते है कि हमने क्या कहा होता, यदि हम उन दिनों में रह रहे होते। लेकिन हम एक सबसे महान दिन में रह रहे हैं, जब हम उसके आगमन के लिए देख रहे हैं। और जब हम तैयारी को कर रहे हैं, प्रभु, हमारे ह्रदयो को तैयार करते हुए, और सारे पूलो या गंहू के गठ्ठे को अंदर ला रहे है जिसे हम कटनी के खेतों में से देश और विदेश में इकठ्ठा कर सकते हैं, हम सोच रहे हैं और उस समय की अपेक्षा कर रहे हैं कि हम उसे सफेद घोड़े पर सवार होकर आते हुए देखेंगे, महिमा के द्वार से नीचे आ रहा है, ताकि हमारी इस पुरानी दूषित हुई देहो को बदले और तैयार करके, उसके खुद की महिमामय देह के जैसे बनाये, जिसमें न कोई पाप हो सकेगा या न ही मृत्यु का कोई निशान कभी प्रवेश कर सकेगा। और हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है, और जीवित रहेंगे, और आने वाले सारे युगों में से होते हुए उससे प्रेम करेंगे।

21 हम आपको इस कलीसिया और इसके पास्टर के लिए, और ट्रस्टियों और डीकनो के लिए धन्यवाद देते हैं, और यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए; और हमारे फाटकों पर आये हुए मेहमानों के लिये, जो उसी प्रकार के भेड़शाला की भेड़ें हैं, लेकिन दूसरे बाड़े की है। हम मांगते हैं कि आप आज रात उन्हें आपकी उपस्थिति से आशीष को देंगे।

22 और हम को आपका वचन खिलाये, जिससे कि हम आज रात यहां से जा सके, जो हम पहले रहे है उससे बेहतर मसीही होने के दृढ़ संकल्प के साथ जाए। होने पाए हम अपने हृदय में एक नई आशा और खुशी के साथ जाए, उसके आगमन की प्रतीक्षा करते हुए।

23 यदि संयोग से हमारे बीच कोई बीमार और पीड़ित होगा, तो हम उनके लिए प्रार्थना करना ना भूलें। कि वे... आज रात भवन में आते हुए, जहां हम आराधना के लिए इकट्ठा हुए हैं, वे आ रहे हैं, बीमार हैं, होने पाए वे चंगे होकर बाहर जाये।

24 और हम उन लोगों के लिए मांगे जो स्वास्थ्यलाभ से संबंधित है, जो घरों में है और अस्पतालों में है, और पीड़ाओ के बिस्तर पर हैं। हम प्रार्थना करते हैं, हे परमेश्वर, कि आपकी दया उन तक पहुंचे।

25 हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो आज रात उदासीन हैं, जिन्होंने अभी तक स्वाद को नहीं चखा है और देखा है कि प्रभु भला है, जो नहीं जानते कि परमेश्वर के द्वारा प्रेम किए जाने का क्या अर्थ है। वे बस यह नहीं समझते कि वे क्या चूक रहे हैं। हे परमेश्वर, होने पाए किसी रेडियो प्रसारण से, या किसी तरह से, उनके हृदय को छू ले, और उनकी भावनाये होने पाए आपकी ओर घूम जाए इससे पहले दया के द्वार बंद हो और वे बाहर निकाले जाए, दया के बिना न्याय में खड़े होने के लिए।

26 हमारी सहायता करे प्रभु। इन चीजों को हम प्रभु यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं, और उसकी महिमा के लिए हम इसे मांगते हैं। आमीन।

27 फाटक के आसपास लोगों की बहुत ही भीड़ थी, और सड़कों पर जाम लगा हुआ था, और वहां पर यहाँ तक लोगों को सोने के लिए भी जगह नहीं थी। वे बाहर दीवार पर, और सारे मैदानों में लेटे हुए थे, क्योंकि यह फसह का पर्व था। और इस समय आराधना करने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं। यह वह समय था जब पास्का मेमने को घात किया जाता था। और यह... यह मिस्र से उनके छुटकारे का प्रतिनिधित्व करता था, बंधुवाई का। और वे इसे सालाना रखते। हर वर्ष, यह बड़ा फसह का पर्व होता था। और यह सबसे उत्कृष्ट समयों में से एक था... या यहूदी धर्म का कार्यक्रम, क्योंकि इसका मतलब था कि उन्हें छुड़ाया गया था।

28 सारे लोग उस समय के बारे में सोचना पसंद करते हैं, जिस समय उन्हें छुड़ाया गया था। किस तरह से हम में से हर एक जन, आज रात,

उस समय में वापस जा सकता है जब हमें छुड़ाया गया था! हमारे लिए ये कितना महत्व रखता है!

29 मैं अपने स्वयं के अनुभव में याद कर सकता हूं, कि किस तरह मेरा दीन बालक जैसा हृदय परमेश्वर को छूने के लिए तरस रहा था। मैंने सोचा, "ओह, यदि मैं केवल ऊपर जाकर और उसका दरवाजा खटखटा सकता, और उससे थोड़ी देर बात कर सकता!" और, अवश्य ही, आप मेरी कहानी को जानते हैं। मैंने एक कागज़ और पेंसिल को लिया, और मैं उसे एक पत्र लिखने जा रहा था, क्योंकि मैं उससे बात नहीं कर सकता था। और मैं जानता था कि वह जंगल में रहता है, क्योंकि मैं ने उसे सुना था, और मैं ने जंगल में उसकी हलचल को देखा था। और एक—एक निश्चित, पुराना जाना–पहचाना रास्ता जिसमें से मैं शिकार या मछली पकड़ने वहां जाया करता था। मैंने सोचा, "मैं अभी इसे पेड़ पर टगाऊंगा, और इसे श्रीमान यीशु को संबोधित करूंगा।" बस किसी तरह से जिससे कि वो बोझ मेरे हृदय से निकल सके।

30 ओह, उस रात, वहां उस ओर! मैं अपनी उम्र भूल सकता हूँ, मैं किसी समय हो सकता है यहाँ तक अपना नाम भी भूल जाऊं, लेकिन मैं उस घड़ी को कभी नहीं भूल सकता जब उसने मुझे पाप से छुड़ाया। मेरे अंदर कुछ तो बात ने जगह ली, जिसने अंधकार के बड़े समय में से होते हुए मेरी सहायता की। मेरे छुटकारे की घड़ी, पाप का बोझ मुझे छोड़ कर चला गया, और मैं एक नया व्यक्ति बन गया था। मैं तब से लेकर मसीह यीशु में एक नयी सृष्टी रहा हूँ।

31 और ये यहूदी, वे हर साल वहां पर आते। और वहाँ आराधनालय के अंदर एक—एक झरना था। और उन्होंने उस—उस रोटी लिया, और कड़वी जड़ी–बूटियाँ को, और मेम्ना, और उन्होंने आराधनालय के इस झरने में से पीया। और वे एकत्र होकर आनन्दित हुए क्योंकि परमेश्वर ने उन पर करुणा को दिखाया था। इसलिए, यह फसह के पर्व का समय था, और न केवल यह फसह का पर्व था, लेकिन यह एक विशेष फसह का पर्व भी था।

32 आप जानते हैं, कभी–कभी हम कलीसिया जाते हैं और... हम हमेशा ही जाना पसंद करते हैं, लेकिन कभी–कभी ऐसा होता है कि कुछ विशेष बात होती है।

33 और यह उन समयों में से एक था। वातावरण अपेक्षा के साथ भरा हुआ था, बस जैसे कि आज है। जो उसे प्रेम करते है उन सबकी ऑखें उसके फाटक में आने के लिए तक तकी लगाये हुए थी।

34 और मैं विश्वास करता हूं कि आज इस तरह से करना बहुत बड़ी बात है, क्योंकि जो लोग उससे प्रेम करते हैं, वे उसके लिए देखते हैं। वातावरण अपेक्षा के साथ भरा हुआ है।

35 जब, हम इस दिन में रह रहे हैं, जब धरती असल में एक बड़ा बारूद का डिब्बा बन गई है। और विज्ञान हमें बता रहा है, "बस आधी रात होने में तीन मिनट ही हैं।" और मैं यकीन करता हूं कि आप समझ रहे थे, जैसा कि मैं, एक दिन, सेना में के इस जनरल की कहानी को बताया, कहा कि, "यदि कोई और युद्ध होता है, तो यह केवल दो या तीन मिनट तक ही चलेगा।" पुराने दिनों की लड़ाई, और बंदुको को चलाना, और लोमड़ी के मांद को खोदना, यह सब समाप्त हुआ है। उनका दावा है कि अगला युद्ध केवल दो या तीन मिनट का ही होगा। किसी दिन, कोई सरफिरा व्यक्ति उसके ढक्कन को खोलने जा रहा है और उन बमों में से एक को आग लगाने वाला है। और जब वे ऐसा करेंगे, तो हमें हर जगह से खबरे सुनने को मिलती हैं, कि इसे फिर से वापस अग्नि दी जाएगी। संसार तब उससे नहीं बच सकता।

36 फसह के पर्व के दिन सभी जानते थे कि कुछ होने जा रहा है, लेकिन वे यह नहीं जानते थे कि यह क्या है।

37 और आज भी ऐसा ही है। अधिकतर हर एक जानते हैं कि कुछ तो होने जा रहा है। हर एक जन यह जानता है। आप पापी से बात कर सकते हैं, आप दूकानदार से बात कर सकते हैं, आप किसी से भी बात कर सकते हैं, और, ओह, यह दुनिया के लिए क्या ही बैचेनी का समय है।

38 लेकिन आप किसी ऐसे पुरुष या महिला से बात कर सकते हैं जो उसके आने के लिए देख रहा है, और महिमा उनके चेहरे पर चमक रही है। वे उस बड़ी घटना के लिए देख रहे हैं। तो सारा वातावरण फिर से भरा हुआ है, कुछ तो होने की अपेक्षा में है। संसार नहीं जानता कि क्या घटित होना तय है, लेकिन जीवित परमेश्वर की कलीसिया जानती है कि क्या होने जा रहा है। वे जानते हैं कि जल्द ही तुरही बज उठेगी, और हम उसे एक सफेद घोड़े पर महिमा से सवार होकर आते देखेंगे। और स्वर्ग की सेनाएं उसके

पीछे–पीछे आते हुई। और वे जो मसीह में मरे हैं, उनका रेपचर हो जाएगा और उन्हें हवा में उससे मिलने के लिए उठा लिया जाएगा। यही है जिसके लिए हम देख रहे हैं। हम इसके लिए लालसा रख रहे हैं।

39 और हमें बताया गया है कि उन माताओं और इत्यादि के प्राण, जिसके बारे में हमने आज सुबह बोला, वे तब परमेश्वर की वेदी के नीचे, चिल्ला रहे हैं, "कब तक प्रभु? कब तक? " माँ आपको उतना ही देखना चाहती है जितना आप उसे देखना चाहते हैं। और हमारे प्रिय जन हमसे मिलना चाहते हैं उतना ही जितना हम उनसे मिलना चाहते हैं।

40 यह क्या ही फिर से मिलाप होगा, जब वो आएगा! हमारे प्रियजनों से मिलना और उन्हें उनके पुनरुत्थान के शरीर में देखना, और महिमावंत, और पुनरुत्थान के उत्तराधिकारी के साथ यहाँ–वहां घूमना, उनके चरित्र की ओर देखते हुए, यह किस तरह से बदल गया है, नम्रतापूर्ण और शांतिपूर्ण। और यह एक उधम मचाना और हलचल मचाना, और उछलना और झटकना नहीं होगा, क्योंकि हमारे पास एक साथ रहने के लिए अनंत काल होगा।

41 ओह, यह बड़ा मानसिक रूप से सनकी युग जिसमें हम रह रहे हैं, बस कोई भी चीज के लिए समय नहीं है, बस उन्नति करना, और मुर्खपना करना, और हथियाना, क्योंकि, यह एक भयानक दिन है।

42 फिर, जब वे कुछ तो होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, यह बहुत बुरी बात थी कि फसह के पर्व के दिन बहुत से लोग उसे कभी भी नहीं देख पाए। फिर भी, वे जानते थे कि कुछ होने जा रहा है, लेकिन फिर भी वे उसे नहीं देख पाए।

43 ऐसा ही प्रभु के आगमन पर होगा। आज बहुत से बेचैन लोग हैं, जो जानते हैं कि कुछ होना तय है, लेकिन वे—वे उसे कभी भी नहीं देख पाएंगे। क्योंकि वह मध्य रात को सन्नाटे में आएगा, ताकि उस छोटी सी कलीसिया को उठा ले जाए जो उसे देखने की लालसा करती है, अपेक्षा कर रही है और प्रतीक्षा कर रही है। यही वह एक है जिसके लिए वह आएगा और उठा ले जायेगा। संसार में से बहुत से है जो चमक–दमक में जी रहे हैं, और अपने प्राण को संसार की चीजों पर भोजन दे रहे हैं, जब तक कलीसिया महिमा में नहीं चली जाता, तब तक क्या हुआ, यह कभी नहीं जान पायेगे, क्योंकि वो रात को चोर के नाई आकर और उन्हें उठा ले

जायेगा। इसलिए हम देख सकते हैं कि हम फिर से उसी स्थान पर वापस आ गए हैं। अब हम पाते हैं, कि, यह अपेक्षा, कि परमेश्वर उनके लिए आता है जो... सारे वचनों में से होते हुए, यह वही बात रही है। कि वे... वो हमेशा उनके लिए प्रकट होता है वे जो उसकी प्रतीक्षा करते हैं, हमेशा उनके लिए जो उसे देखना चाहते हैं। और मैं यकीन करता हूं कि यही आशा आज रात हमारे हृदय में है।

44 ये लगभग छह महीने पहले की बात है, मैं सोचता हूं, मैं कुछ लोगों को गवाही दे रहा था। और मैंने कहा, "ओह, इस पर सोचना, कि वो बस लगभग किसी भी समय आएगा!"

45 और किस वजह से मुझे यह कहना पड़ा, मैं भाई बोसवर्थ के लिए बोल रहा था। जब मैं उस बूढ़े संत को देखने के लिए गया, जब हमने सुना कि वह मर रहे है, वे अस्सी वर्ष के आगे थे, पत्नी और मैं वहां जा रहे थे... उनके मरने से पहले उसे देखने के लिए। मुझे तब उनसे कुछ तो कहना था। मैं संतो को देखना पसंद करता हूँ जब वे महिमा में प्रवेश कर रहे होते हैं, और मुझे उन्हें देखना था। और हमने कार को बहुत तेजी से चलाया।

46 लेकिन जब मैं वहां गया, और दरवाजे पर पहुंचा, तो एक छोटे से कोने में वो बुढा आदरणीय वृद्ध पुरुष लेटा हुआ था। जब उसने मुझे आते देखा उसने अपना सिर ऊपर उठाया। उसकी बूढ़ी, कमजोर बाहें बाहर लटकी हुई थीं, शरीर नीचे लटक रहा था। और उसने मेरे लिए अपनी बाहों को बढाया। और मैंने उसे गले से लगा लिया और चिल्लाया, "मेरे पिता, मेरे पिता, इस्राएल के रथ, और उसके घुडसवार," क्योंकि वह एक संत और धर्मी व्यक्ति था।

47 और मैंने कहा, "भाई बोसवर्थ, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या आप विश्वास करते है कि आप चंगे हो जाएंगे? "

उसने बोला, "ओह, मैं यहाँ तक बीमार भी नहीं हूँ।"

मैंने कहा, "अच्छा, तो क्या बात है? "

48 उसने कहा, "मैं घर जा रहा हूँ।" उसने कहा, "मैं थक गया हूँ, और मैं उकता गया हूँ। और मैं बस घर जाना चाहता हूं।"

49 मैंने कहा, "तब आपको एहसास होता है कि आप मर रहे हैं? " मैंने कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। सेवकाई के सत्तर के आस पास

के दशक के वर्षों के दौरान, आपका सबसे महिमामय मिनट कौन सा रहा है? क्या आप मुझसे बात कर सकते हैं, महाशय, और मुझे बता सकते हैं कि आपके पास कौन सा अनुभव था, वहां उस पथ में, जिसे आप अपना सबसे महान समय मान सकते हैं।"

50 मैं उसकी उम्र देखने के लिए जीवित रहूंगा, मैं कभी नहीं भूलूंगा, जब उन काली आंखों ने मुझे उन चश्मे के ऊपर से देख लिया था। उसने कहा, "मेरे प्रिय भाई, यह मेरे जीवन का सबसे महान क्षण है। मैं किसी भी समय के बारे में नहीं सोच सकता जो इस समय से अधिक महिमामय था।"

51 मैंने उसके चेहरे की ओर देखा और कहा, "महाशय, क्या आप अब भी समझते हैं कि आप मर रहे हैं? "

52 उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं यहाँ लेटा हुआ हूं, हर एक मिनट उसकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ कि उस दरवाजे को खोले और आकर, मुझे अपने साथ घर ले जाए।" यही मरने का तरीका है। यही जाने का तरीका है।

53 और जैसा कि आप जानते हैं, कि उसके मरने से लगभग दो घंटे पहले... वो दो दिनों से अधिक समय से कोमा में पड़ा हुआ था। और जब वह अपने आपे में आया, तो कमरे में उठा, और अपनी पत्नी से बातें करने लगा। फिर, अचानक से, वो पारदर्शी लग रहा था। और उस ने उन मित्रों से, जो चालीस या पचास वर्ष से मरे हुए हैं, एक घंटे या उससे अधिक समय तक हाथ मिलाया, जो उसकी कलीसिया में उसके परिवर्तित लोग थे। अपनी मां और अपने पिता के साथ हाथ मिलाया। जब तक वो... जीवन ने उसके शरीर को छोड़ ना दिया, तकिये पर लेट गया और प्रभु यीशु की बाहों में सो गया। उसकी सेवा करने के जैसा उसकी अपेक्षा करने के जैसा कुछ भी नहीं है।

54 और जब मैंने इस मनुष्य के साथ इस बारे में बात की, और उस अनुभव को बताया, मैंने यह कहा। मैंने कहा, "महाशय, ओह, क्या यह महिमामय नहीं होगा जब हम उसे देखेंगे? ओह, क्या हो वह आज आ जाए!"

उसने कहा, "भाई ब्रंहम, इस तरह से लोगों को मत डराओ।"

मैंने कहा, "आपका क्या मतलब है? "

55 उसने कहा, "ओह, लोगों को यह बताने की कोशिश मत करो कि संसार आ रहा है, मेरा मतलब मसीहा आ रहा है। यह उन्हें चिंतित करता है।"

56 "ओह," मैंने कहा, "नहीं। माफ़ कीजिये। उनके लिए जो उसके लिए देख रहे हैं, उनके लिए यह सबसे महिमामय खबर है जिसे वे सुन सकते हैं, कि यीशु बस आने पर ही है और अपने कलीसिया को लेने वाला है।" बुढ़ापा युवावस्था में बदल जाएगा। उदासी के बदले आनंद दिया जायेगा। मृत्यु के स्थान पर जीवन दिया जाएगा। मरणहार को अमरता में बदल दिया जाएगा। ओह, क्या ही क्षण है, यह जानना कि वो आएगा!

57 वे उसके लिए देख रहे थे। वे उसकी अपेक्षा कर रहे थे। और जब वह आया, तो हमने पाया कि वहां दो गुट के लोग थे। एक झुण्ड उसके पक्ष में था, और एक उसके विरुद्ध था।

58 और इसी तरह हम आज इसे देखते हैं। यही है, उसके आगमन ने हमेशा लोगों को विभाजित किया है। हर समय, जब आप यीशु को देखते हैं, तो आप अपने आस–पास ऐसे लोगों को पाते हैं जो इसके विपरीत होंगे। यही शैतान है। और, आज, जब हम इसके बारे में सोचते हैं, तो हम बहुत अधिक बदलाव को नहीं देखते है। बिल्कुल वैसा ही है। लोग बदल गए हैं, लेकिन लोगों की आत्मा नहीं बदली है।

59 सो जब उन्होंने अत: फाटक से बाहर की ओर देखा, और उसे उस छोटे सफ़ेद गदहे पर सवार होकर आते हुए देखा, कोई आश्चर्य नहीं कि—कि चेले चिल्लाने लगे, "स्वर्ग का राज्य आ गया है!" लोग उससे मिलने के लिए दौड पड़े, और सारे यरूशलेम में हलचल मच गयी। इसके बारे में कुछ तो है, जब यीशु आता हैं, तो यह हमेशा ही एक हलचल को मचाता है। और सारे नगर में हलचल मच गयी थी। और वे—वे इसे छिपा नहीं सकते।

60 और उस दिन के प्रचारकों को इस हलचल का हिसाब देना था, क्योंकि ये फसह के पर्व के दिन पर था। और वे चिल्ला उठे, "यह कौन है?" जब वातावरण जोश में था, और प्रभु यीशु के यरूशलेम में आगमन ने वातावरण को अपेक्षाओं से भर दिया था, ऐसा दिखाई देता है कि शिक्षकों को मालूम होना चाहिए कि क्या बात जगह लेने जा रही है। ये ऐसा दिखाई दिया कि महायाजक इसे जान गया होगा। ये ऐसा दिखाई दिया कि अन्य सारे याजको को यह ज्ञात हो गया होगा।

61 और यह आज भी कुछ बदला नहीं है, क्योंकि पवित्र आत्मा प्रभु यीशु के आगमन को पहले से जाहिर कर रहा है। और जब पवित्र आत्मा धरती भर में फैलने लगता है, तो बेदारी की आग हर जगह फैलने लगती है, बड़े–बड़े

चिन्ह और अद्भुत कार्य किए जाते हैं, चंगाई जगह लेती है, भविष्यवाणियां की जाती हैं। प्रेरितो की आशीषो का सारा जमावड़ा फिर से वापस कलीसिया में आ चूका है। इसलिए, जैसा ये तब था, वैसा ही ये अब है, अविश्वासियों की आत्मा अब भी चिल्ला उठती है, "यह कौन है? "

62 उनमें से कुछ ने प्रभु यीशु पर विश्वास किया, यह कहते हुए कि वो एक भला मनुष्य था। उनमें से कुछ ने कहा, "वो एक भला मनुष्य है।"

63 आज वे ऐसा ही कहते हैं। वे उसे नेपोलियन, एक योद्धा के समान रखने की कोशिश करते हैं। वे उसे एक—एक जॉर्ज वाशिंगटन के समान रखने की कोशिश करते हैं, जो एक सच्चा मनुष्य है। लेकिन वो इससे कहीं अधिक था।

64 क्या आपने वचन को पढ़ते समय ध्यान दिया? उन्होंने कहा, "यह एक भविष्यव्यक्ता है जो गलील से आया है।"

65 और वे आज वही बात कहने की कोशिश करते हैं, जब वे प्रभु के इस महान कदम को देखते हैं: ताकि स्वास्थ्य, बीमार और पीड़ितों को वापस लौटाया जाए; जिससे कि उसे उसकी आत्मा को उसकी कलीसिया में उपयोग करते देखे, कि लोगों के विचारों को परखते हुए देखे; कि उसे वैसा ही करते देखे, जैसा उसने किया था जब वो यहाँ धरती पर था, कि जो कुछ उसने कहा था उसे पूरा करें; निश्चित रूप से, कलीसिया और लोग यह पूछ रहे हैं, "यह कौन है? "

66 वे यह नहीं समझ पाए कि यीशु कौन था, क्योंकि उनमें से कोई भी उसे नहीं पहचान सका, उनके स्कूलों से। "वह कौन से धर्म विद्यालय से बाहर आया है? वह कौन से धर्मशास्त्र के विद्यालय से आया है? "

67 और आज भी ऐसा ही है। ज्यादातर लोग जिनका पवित्र आत्मा से अभिषेक किया गया है, वे किसी धर्म विद्यालय से नहीं आए। वे परमेश्वर के खुद के अपने चुने हुए उत्पादन हैं। लेकिन चिन्ह और चमत्कार, और अद्भुत कार्य जिसकी बाईबल में प्रतिज्ञा की गयी थी, इस महान पवित्र आत्मा के साथ जाते है जब यह लोगों के बीच मंडराने लगता है।

68 और वे आज कहते हैं, "वे किस विद्यालय से हैं? " जैसे ही आप एक शहर में प्रवेश करते हैं, बेदारी को आयोजित करने के लिए, "आप किस संप्रदाय से संबंध रखते हैं? "

69 शुक्रवार दोपहर को लुइसविले में आयरिश कलीसिया के रोमन कैथोलिक पास्टर के साथ मेरा एक इंटरव्यू था। और मेरा उससे अधिक परिचय नहीं हुआ था, वह एक अच्छा विद्वान व्यक्ति था, उसने कहा, "श्रीमान ब्रंहम, आप किस संप्रदाय के हैं? "

मैंने कहा, "मैं किसी संप्रदाय के साथ नहीं हूं।"

और उन्होंने कहा, फिर, "क्या आपको नियुक्त किया गया था? "

मैंने कहा, "जी हां, महाशय।"

उसने कहा, "आपको किसने नियुक्त किया? "

70 मैंने कहा, "प्रभु यीशु ने मुझे सुसमाचार का प्रचार करने के लिए पवित्र आत्मा दिया, और मुझे एक कार्य आदेश को सौंपा।" तो, यही वो नियुक्ति है जिसकी हमें आवश्यकता है।

71 यीशु ने अपने चेलों से कभी भी नहीं कहा, "वहां जाकर... " मैं उन चीजों की निंदा नहीं कर रहा हूं, लेकिन उन्होंने उनके दिन को जीया है। उसने ये नहीं कहा, "जाकर, *इतने–इतने* वर्षो तक सेवक बनने के लिए पढ़ाई करो।"

72 उसने कहा, "तुम यरूशलेम नगर में तब तक ठहरे रहो, जब तक कि तुम ऊपर से सामर्थ को ना पा लो।" उसने उन लोगों को कहा जो अपने नाम का हस्ताक्षर भी नहीं कर सकते थे। "और इसके बाद, पवित्र आत्मा तुम पर आ जाता है, तब तुम मेरे गवाह ठहरोगे, यरूशलेम, यहूदिया, सामरिया, और पृथ्वी की छोर तक, हर जगह।" यही वो नियुक्ति है।

73 हमारे पास यीशु के कभी किसी स्कूल जाने, या किसी भी धर्म विद्यालय से उपाधि प्राप्त करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। फिर भी, वहां उसके नाम पर बहुत अधिक धार्मिक विद्यालय स्थापित किये गए हैं, धार्मिक कारणों से, किसी भी अन्य—अन्य किसी की चीज़ तुलना से अधिक जो कभी दुनिया में रहे है। हमारे पास कभी कोई—कोई उसका स्कूल जाने का रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन, फिर भी, उसके नाम पर इतने अधिक स्कूल स्थापित किये गए हैं इससे बढकर आकाश के नीचे उन स्कूलो का किसी अन्य तरह का नाम नहीं है। हम उसके बारे में कभी भी नहीं जाना कि वो एक किताब को लिख रहा है। फिर भी, जितने भी साहित्य लिखे गए हैं, उनकी तुलना में उसके बारे में अधिक किताबे लिखी गई हैं। और, आज, उसकी बाईबल जो सारे विश्व भर में, सारे साहित्य के बीच में सबसे लोकप्रिय किताब है।

74 लेकिन, आप देखो, उसके वहां आने के दिन पर, वे पुकारने लगे, "वो कौन है? "

75 देखो, परमेश्वर कुछ तो ऐसा लेता है जो ऐसा दिखाई देता है कि ये कुछ नहीं है, कि इसमें से कुछ तो बनाये। यही है जो उसे परमेश्वर बनाता है।

76 और जब उन्होंने उसे उस फाटक पर सवार होते आते हुए देखा, तो उन में से कुछ ने कहा, "वो एक महान पुरुष है।"

77 वे आज ऐसा कहते हैं। वहां धर्मशास्त्र के ऐसे स्कूल हैं जो आज सिखाते हैं कि यीशु एक महान पुरुष था, कि वो एक भला मनुष्य था। यहाँ तक उनमें से कुछ तो यह भी कहते हैं कि वह एक भविष्यव्यक्ता था। अब, यदि वो केवल एक भविष्यव्यक्ता था, या एक भला मनुष्य, तो हम हमारे पापों में है। वह एक भविष्यव्यक्ता से बढ़कर था। वह एक भले मनुष्य से बढ़कर था। फिर भी, वह एक भला मनुष्य था। फिर भी, वह एक परमेश्वर–भविष्यव्यक्ता था। लेकिन वो इससे कहीं बढ़कर था। वो देह में प्रकट हुआ परमेश्वर था, ताकि पाप को दूर करें।

78 और जब वह आया, सवार होकर, बहुत से लोगों ने कहा, "वो एक चंगा करने वाला है। ओह, हमने उसे अंधों की आंखो को खोलते हुए देखा है। हमने उसे लंगड़ो को चलाते हुए देखा है। हमने उसे प्रार्थना करते हुए देखा, और बालक को बुखार छोड़ कर चला गया।" लेकिन, तब, उस प्रकार के लोग केवल रोटियों और मछलियों के लिए उसका अनुसरण कर रहे थे।

79 और इसी तरह की आज बहुत सी भीड़ है। यदि वहां कोई चंगा करने वाला है, इसलिए, वे—वे उसका अनुसरण करते हैं, और वो—वो बस एक सुखद अंतराल है। यदि वे बीमार पड़ते हैं, तो दौड़ते हैं, कहते हैं, "ओह, क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे, कि प्रभु यीशु मुझे चंगा कर दें? " और जैसे ही वे अस्पताल, या बीमार बिस्तर से बाहर आते हैं, वे सीधे उसी दुनिया में वापस चले जाते हैं, जैसे कोई कुत्ता अपनी उल्टी के लिए जाता है, या एक सुअर उसके कीचड़ में, जैसा कि वचन में कहा गया है। केवल उसका अनुसरण करते है कि उन्हें उसमें से क्या अच्छा मिल सकता हैं। वे उसका उपयोग बस एक—एक कुल देवता के चिन्ह के लिए करते हैं,

या—या ऐसा कुछ कि—कि उन्हें उसमें से मिल सकें, और उसकी सेवा करने की अपेक्षा नही करते। वो भीड़ आज भी जारी है।

80 वहां नौ कोढ़ी चंगे हुए थे, और एक उसकी स्तुति करने के लिए वापस लौटा। या क्या यह दस थे? वे, उनमें से एक, उसको स्तुति देने के लिए वापस लौटा और बाकी के सब बिना धन्यवाद दिए आगे बढ़ गए।

81 और यदि अमेरिका में लोग, जो परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा चंगे होते आये हैं, अपने ह्रदय को परमेश्वर की ओर फेरें, तो इस देश में एक बेदारी आरंभ हो जाती जो हर शराब के बिक्री के मद्यशाला को बंद कर देती, जो... शराब की दुकाने और व्हिस्की की दुकाने तस्वीर से ही बाहर हो जाएंगी। कलीसियाये भरी हुई होंगी। रविवार की रात सिनेमाघर खाली रहेंगे। और इस राष्ट्र में से होते हुए एक बेदारी आरंभ हो जाएगी। लेकिन जब वे ऐसा होते हुए देखते हैं, वे चीजे जो परमेश्वर करता है, वे फिर भी चिल्लाते हैं, "वो कौन है? यह कौन है जो आता है? वे कहां से आए हैं? यह कौन है? इसे किस अधिकार के द्वारा किया गया है? "

82 दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में कभी भी न भूलता है। मैं तभी लगभग तीस मिनट पहले हवाई जहाज़ से पहुँचा था। मैं तीन दिन और रात हवाई जहाज में रहा था, इतना थक हुआ था कि मैं इसे सहन नहीं कर पाया। वे—वे मुझे बाहर व्यापार के मैदान ले गए, जहां कोई पचास या साठ हजार लोग इकट्ठे हुए थे। और मैं तब मंच पर पर पहुंचा ही नहीं था, इतने में पवित्र आत्मा... मैंने देखा, उस स्थान पर एक—एक बस आ रही है। और उस पर एक चिन्ह लगा हुआ था, "डरबन।" मैंने देखा कि एक युवक को अपने माता–पिता से वाद–विवाद करना पडा था और चुपके से निकल कर आना पडा था, जिसका एक पैर दूसरे से छह या आठ इंच छोटा था। उसने एक सफेद शर्ट पहनी हुई थी, जिसमें पतलून बाँधने का फ़ीता उसकी पतलून को पकड़े हुए था। और मैंने उस युवक को ध्यान से देखा। मैंने फिर से पीछे की ओर मुड़कर देखा। दर्शन जा चूका था। और फिर, बस कुछ ही क्षण में, मैंने देखा कि प्रकाश एक युवक के ऊपर मंडरा रहा था, श्रोतागण के बीच में। और मैंने देखा। मैंने सोचा, "मैंने उसे कहीं तो देखा था।" मैंने उसकी ओर ध्यान से देखा, और वो प्रकाश कुछ मिनटों तक उस पर बना रहा। और मैं अनुवादक के लिए रुका हुआ था ताकि वो अगले शब्दों को पकडे।

फिर मैंने उसी नौजवान को खड़ा हुआ देखा उसकी बैसाखीयों को फ़ेंकता है, और उसका छह इंच छोटा पैर दुसरे पैर के साथ सामान्य हो गया।

83 और मैंने श्रीमान ए.जे. शोमैन से कहा; जो आज रात महिमा में है। मैंने कहा, "श्रीमान शोमैन, बस मेरे शब्दों को ध्यान में रखे। यह एक दर्शन है।"

उसने कहा, "बहुत अच्छा।"

84 और मैंने कहा, "वह युवक सफेद कमीज के साथ वहां पीछे बैठा हुआ है और पतलून बाँधने का फ़ीता डाले हुए है, वो डरबन नामक शहर से एक बस में आया है, जो देश के उस तरफ लगभग पंद्रह सौ मील दूर है। और उसे आने के लिए अपने माता–पिता से चुपके से निकलना पड़ा था। लेकिन उसने प्रभु यीशु पर विश्वास किया है, और उसका एक पैर दूसरे पैर से छह इंच छोटा है।"

85 और वो युवक उछल पड़ा। वहाँ पर वह खड़ा था, अपनी बैसाखी को टटोलने की कोशिश कर रहा था। और मैंने कहा, "नौजवान, प्रभु यीशु ने तुम्हें चंगा किया है।" और तुरंत ही उसका पैर छह इंच बाहर आ गया, बाकी उन सभी के समान, सामान्य हो गया। और वे उस नौजवान को मंच पर ले आए, और वहां पर डॉक्टरों ने उसकी जांच की। आप मेरी किताब में उसकी तस्वीर को देखते है।

86 मैं वहाँ बस कुछ क्षण ही खड़ा हुआ था, मैंने देखा कि एक छोटी, हरे रंग की कार सड़क पर से तेजी से नीचे जा रही है, और ये फिसल कर गिर गई। ये पीछे की ओर घूम गयी, और एक पेड़ से जा टकरायी। एक जवान, भूरे बालों वाली वाली लड़की थी... उसकी कमर टूट गयी थी। और मैंने कहा, "मैं एक छोटी, हरी कार को देखता हूं जो एक पेड़ से टकराती है, और लगभग अठारह वर्ष की एक युवा भूरे बालों वाली लड़की की कमर टूट गई है। वो गंभीर अवस्था में है।" किसी ने भी उत्तर नहीं दिया। और मैं उसे लोगों के उस विशाल, बड़े श्रोतागण में कहीं भी नहीं देख सकता था। और मैं कुछ मिनटों के लिए वहीं खड़ा रहा। मैंने कहा, "समझना। इसका... संदेह न करें। यह पुनरुत्थान की सामर्थ में प्रभु यीशु हैं। उसने अपने कार्य को जारी रखने के लिए पवित्र आत्मा को भेजा है।" और वहाँ मैंने दर्शन को फिर से वहां घटित होते हुए देखा। और मैं यूवा महिला को नहीं देख पाया।

87 ठीक तभी, मेरे सीधे सामने रुका हुआ था, वो प्रकाश यहाँ रुका रहा, जैसा कि आप तस्वीर में देखते हैं। और यह यहाँ रुका हुआ था। मैं वहाँ ऊपर चलकर गया, और वहाँ वो मंच के नीचे लेटी पड़ी थी। मैंने कहा, "युवा महिला, प्रभु यीशु ने तुम्हें चंगा किया है।" और उसने रोना आरंभ किया।

88 उसकी माँ ने कहा, "ओह, नहीं! उसे उठने के लिए ना कहे!" कहने लगी, "यदि वह हिलती–डूलती है, तो वो मर जाएगी।"

89 और वो युवा महिला चिल्लाते हुए और परमेश्वर की स्तुति करते हुए अपने पैरों पर उछल पड़ी। और उसकी माँ बेहोश होकर और उस खाट में गिर गई जिसमें लड़की लेटी हुई थी।

ये क्या है?

90 बस लगभग उसी समय, कोई आलोचनात्मक व्यक्ति वहां पीछे खड़ा हो गया, और एक पैर को एक कुर्सी पर रखा, और एक को दूसरे कुर्सी पर रखकर खड़ा हो गया, और कहा, "तुम अमेरिकी! मैं तुम्हे चुनौती देता हूं कि तू मुझे बता कि तुम इसे किस नाम से करते हो! और तुम किस कलीसिया के संप्रदाय से संबंध रखते हो? " देखा?

91 यह बस वही है। वे नहीं समझते। वे इन चीजों के लिए नहीं देख रहे हैं। कलीसिया प्रभु के आगमन के लिए नहीं देख रही हैं। और पवित्र आत्मा यहाँ है उसके आगमन की पुष्टि करने के लिए, ताकि इसे पूरा करे। बहुत अधिक...

हर एक जन उसके अपने खुद के तरीके को लेना चाहता है। इसी तरह से वहां पर था। हर एक झुण्ड का उनका अपना विचार था।

92 लेकिन आज रात का सवाल ये नहीं है। यह वो नहीं है जिसके विषय में मैं बात कर रहा हूं। लेकिन मैं आपसे जो सवाल पूछ रहा हूं, वह यह है कि आप क्या सोचते है कि यह क्या है? यह आपसे संबंध रखता है। यह कौन है जो राष्ट्रों को ऊपर–नीचे कर रहा है? ना ही मनुष्य। मनुष्य उन चीजों को नहीं कर सकता। ये कौन है जो श्रोतागण में लोगों से बोल रहा है और कह रहा है, जैसे कि, "ठीक *यहाँ* पर, *यहाँ* पर बैठा हुआ है," और सभा में भिन्न–भिन्न स्थानो में, जब मरते हुए स्त्रियों और पुरुषों को यहाँ पर लाया जाता है? ये कौन है?

93 वो युवा महिला जो आज सुबह बपतिस्मे के लिए चलकर गई थी, जो तीन हफ्ते पहले, कार्सिनोमा कैंसर से मर रही था, जो ठीक यहाँ मेपल

स्ट्रीट पर रहती है, श्रीमती बैटी। और मैंने तीन डॉक्टरों से पूछा जो उसके साथ थे। उसके पास जीने का एक भी मौका नहीं था, उसके चार या पाँच छोटे बच्चे थे, और मेरी माँ उनकी देखभाल करने का प्रयास कर रही थी। माँ ने कहा, "बिल, वह फिर कभी भी घर नहीं आएगी।"

94 और मैं वहां गया जहां पर वह थी, और प्रभु यीशु ने बोला, "यहोवा यों कहता है, यदि वो कलीसिया में जाकर और प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लेने की प्रतिज्ञा करे, और परमेश्वर की सेवा करेगी, वह ठीक होकर घर चली जाएगी।"

और मैंने उससे पूछा, "क्या आप ऐसा करेंगी, महिला? "

95 और उसने कहा, "आप जो कहेंगे, वो सब मैं करूंगी।" तुरंत ही दर्द चला गया। तीन दिन के बाद, वह घर पर थी, और डॉक्टरों ने उस कैंसर का एक भी लक्षण नहीं पाया।

96 यह कौन है जो प्रभु के नाम से आता है? ये कौन है? यह परमेश्वर का पवित्र आत्मा है। इसके बारे में आपकी क्या राय है? आपकी क्या राय है, आपके पास्टर को जानते हुए? और जब यहाँ इन कुर्सियों पर शहर के बाहर के लोग बैठते है, मिर्गी के साथ बैठते है, बैठते है... यहाँ एक पुरुष बैठा हुआ है, यहीं कहीं, एक मेनोनाइट का रहने वाला भाई, ठीक यहाँ, जो एक मिर्गी के रोग से पीड़ित था। मैंने उसे कभी नहीं जाना या देखा है, उसके बारे में कुछ नहीं जानता। और अचानक, लगभग दो वर्ष पहले, मैं सोचता हूं, या ऐसा ही कुछ, हाँ, दो वर्ष, पवित्र आत्मा ने इसे बताया, और कहा "**यहोवा यों कहता है**।" उसके बाद से उसके पास कभी भी कोई संकेत नहीं मिला था। ये कौन है? ये कौन है?

97 यह महिला यहां पर पिछले रविवार बैठी हुई थी, पिछली बार जब मैं यहां पर था, जो इलिनॉय में कहीं से तो आई हुई थी। अगले दिन... वो उसके शरीर में एक बड़े ट्यूमर के साथ थी, यह घातक था। और इलिनोइस के कुछ बेहतरीन चिकित्सा विज्ञान उसे एक बड़े चिकित्सालय में ले जा रहे थे, जिसका सोमवार को ऑपरेशन किया जाना था। और उसने उसे बहुत ही निचोड़ लिया था। मेरे पूरे जीवन में मैंने उसे कभी नहीं देखा या उसके बारे में सुना था। और अचानक से, पवित्र आत्मा ने उस पर छाया की, और उस ने उस को बताया, कि वो कौन है? वह कहाँ से आई है, और अगले दिन उसका ऑपरेशन होने वाला था। तब यह देखने के लिए कितने लोग

यहाँ पर थे? और देखो खबर फ़ैल गयी। अगले दिन, जब वह डॉक्टर के पास गई, तो वे उसे एक चिकित्सालय से दूसरे चिकित्सालय में ले गए, और इसका कोई एक चिन्ह भी नहीं पा सके।

98 ये कौन है? ओह, परमेश्वर, दयावंत होना! यह कौन है जो इसे कर रहा है? क्या आप यह कहने की हिम्मत कर सकते हैं कि यह आपका पास्टर था? कभी नहीं। क्या आप यह कहने की हिम्मत कर सकते हैं कि मनुष्य का इसमें कुछ लेना–देना है? कभी नहीं। यह पवित्र आत्मा है, वो आत्मा जो हमारे प्रभु यीशु पर था। और उसका आगमन खुद को अपनी कलीसिया के साथ एक करना है, ये इतना नजदीक है कि वो अपने महान पवित्र प्रकाश को आगे फैला रहा है, ताकि छुटकारा करें, और संगति के अंदर ले आये, जीवित परमेश्वर की एक कलीसिया, के उस रेपचर के लिए जो निकट है। आमीन!

99 ये कौन है? मैं आपके प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता। मैं आपके लिए उत्तर को नहीं दे सकता। लेकिन मैं अपने आप के लिए उत्तर दे सकता हूं। और आज रात इस पवित्र मेज पर, आज रात, इस जनसमूह के कानों में, और यह—यह जो हमारे प्रभु यीशु के लहू से ख़रीदे गए है, मैं इस बात को अपने हृदय की गहराइयों से कहता हूं। इसलिए नहीं कि मैं आप में से एक हूं, इसलिए नहीं कि मैं कोई तो अलग हूं, लेकिन छुड़ाए हुए लोगों में से एक जिसे लहू के द्वारा धोया गया है। मैं विश्वास करता हूं कि वही उजियाला जो आज रात इस कलीसिया में मंडरा रहा है, वही एक अपने प्रकृति से दिखाता है कि यह यीशु मसीह है, पवित्र आत्मा के रूप में।

100 जो कोई भी वचनो को जानता है, वह जानता है कि यीशु ने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास जाता हूं।" इससे पहले वो देहधारी होता, उस समय वो जंगल में मूसा के साथ था, तब वो अग्नि का स्तंभ था। और जब मूसा ने उसे देखने की इच्छा रखी, तो वो अपनी पीठ के भाग को दिखाकर वहां से गुजरा। और मूसा ने कहा, "यह एक मनुष्य की तरह दिखता है।" जब वह यहाँ धरती पर था, वह एक मनुष्य था। उसने उसी काम को किया जो वो आज कर रहा है, मनुष्यों के जरिये से जिसे उसने छुड़ाया है। वहाँ वो आता है और उसका चित्र लिया गया है। यह क्या है?

101 उसकी मृत्यु, दफनाने और पुनरुत्थान के बाद, एक दिन पौलुस दमिश्क के रास्ते पर था, और एक महान प्रकाश ने उसे नीचे गिरा दिया। उसके आसपास के लोगों ने प्रकाश को नहीं देखा। लेकिन इसने पौलुस को नीचे गिरा दिया, इतना तक कि इसने उसे अन्धा बना दिया। उसे जीवन भर अपनी आंखों से परेशानी थी। और उसने एक समय कहा, "इसलिये मैं प्रकाशन की बहुतायत से फुल ना जाऊं, ये मुझे दिया गया था," उसके शरीर में एक कांटे को, शैतान का एक दूत, उसे घूंसा मारने के लिए। क्योंकि यह प्रकाशन की बहुतायत से था।

102 और जब पौलुस नीचे गिर गया, वो उसके मार्ग में था ताकि लोगों को सतावट दे जो बहुत अधिक शोर मचा रहे थे; एक नया जन्म पाया हुआ झुण्ड, वे लोग जिन्हें धर्म विरोधी कहा जाता था। पौलुस अपनी जेब में कागजात लिए हुए उन लोगों को सतावट देने के लिए उसके मार्ग पर था, कि उन्हें गिरफ्तार करके और उन्हें यरूशलेम लेकर आये। और दिन के लगभग मध्य में, वहां एक प्रकाश उतरा, जिसने उसके पैरो से टकराकर जमीन पर गिरा दिया, और वह धरती की मिट्टी में गिर पड़ा। उस प्रकाश से एक आवाज आयी, कहने लगी, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

103 और शाऊल ने अपनी अंधी अवस्था में मुड़कर ऊपर की ओर देखा। और वो उस महान, महिमामय प्रकाश को देख सकता था। और उसनें कहा, "प्रभु, आप कौन हैं?"

104 उसने कहा, "मैं यीशु हूँ। मैं परमेश्वर से आया हूँ; मैं परमेश्वर के पास गया। मैं परमेश्वर से आया हूँ; मैं परमेश्वर के पास लौटता हूं।" उसने बोला, "ये तुम्हारे लिए कठिन है कि अधिकार पाए हुए लोगो के विरुद्ध लड़ो।"

105 उस पवित्र रेत पर एक प्रकाशन, एक समय उस स्थान पर, मनुष्य कभी भी एक जैसा नहीं हो सकता। एक मनुष्य, इससे पहले कि वह खुद को मसीही कह सके, इससे पहले कि वह खुद को पहचान सके, उसके पास पहले पीछे रेगिस्तान का अनुभव होना चाहिए, जहां वह परमेश्वर से आमने–सामने भेंट करे।

106 क्योंकि आज आपके पास किसी भी तरह का उत्तर हो सकता है। आप देख सकते हैं कि प्रभु बिल्कुल ठीक वैसा ही काम करता है जैसा उसने कहा था, और तेज बुद्धि के धर्मशास्त्री इसे ऐसे समझायेंगे। वे कहेंगे, "यह

किसी और दिन के लिए था। यह *इसके* लिए था। या, यह दुसरे युग के लिए है। या, यह गलत है।" जैसे उन्होंने यीशु के बारे में कहा, "वो बालजबुल है, शैतान है। वो भविष्य बताने वाला है।" और उन सारी बातों का, उनके पास उत्तर है।

107 लेकिन जब कोई मनुष्य कभी भी मसीह के संपर्क में आया, और उसे पौलुस के जैसे देखा, या उसका अनुभव किया, तो दुनिया में इतने धर्मशास्त्री नहीं हैं जो एक मनुष्य से उस अनुभव को वर्णन करने से अलग करने में सक्षम हों सके।

108 यही कारण है कि आज उनके पास अनुभव नहीं है। यही कारण है कि वे नहीं कह सकते... वे सब कह रहे हैं, "यह कौन है? यह क्या है? यह कहां से आया? " उनके पास उत्तर नहीं है। क्यों? क्योंकि, वे केवल एक धर्मज्ञान को जानते हैं जिसे किसी कलीसिया ने बनाया है। ना ही "धर्मशास्त्र को जानना" जीवन है। ना ही "बाईबल को जानना" जीवन है।

109 लेकिन "उसे जानना" जीवन है। "उसे जानना" आपके व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के नाई, उस एक की नाई जिसने आपको अपनी उपस्थिति से भर दिया है। जब यह घटित हुआ तब आप वहां पर थे। इसे आपसे कोई भी नहीं छीन सकता। कोई भी आपसे इसका वर्णन करने से इसे अलग नहीं कर सकता है। जब वो अनुभव आपके साथ होता है, तो आप जानते हैं कि वो कौन है। मेरे लिए, वो यीशु मसीह है जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

110 यह कौन है जो ये अद्भुत कार्यों को कर रहा है? वो कौन है जो इन महान कामो को कर रहा है? क्या यह प्रचारक है? क्या यह ओरल रॉबर्ट्स है? क्या यह बिली ग्राहम है? क्या यह जैक शूलर है? विलियम ब्रंहम है? ये जो कोई भी हो सकता है, उनका इससे कोई लेना–देना नहीं है। वे तो साधन हैं।

111 यह पवित्र आत्मा है जो लोगों को तैयार करने के लिए, चिन्हों और चमत्कारों और अद्भुत कार्यों में सुसमाचार के साथ आगे आ रहा है। वातावरण अपेक्षाओ से भरा हुआ है, विश्वासी उसके आने की अपेक्षा कर रहे हैं।

112 और दूसरे कह रहे हैं, "ये बेदारी क्यों? हमारे पास यह क्यों है? आओ हम एक कलीसिया में शांति से बैठ जाये।" क्योंकि, ठीक यहाँ इसे

इस कलीसिया में कहा गया है कि, जब हमने नये आराधनालय को बनाना आरंभ किया, कहा, "हमें अद्भुत कार्य की आवश्यकता नहीं है। हमें अब इन चीजों की आवश्यकता नहीं है। आप अद्भुत कार्यों को चाहते हैं, तो बाहर दूसरे स्थान में या कार्य क्षेत्र में जाएं जहां वे होते हैं। हमें यहां उनकी आवश्यकता नहीं है।" जब ब्रंहम टेबरनेकल उस नीचले स्थान पर आने लगता है, ये डूब जाता है।

113 यह कलीसिया सिद्धांतों और सामर्थ और यीशु मसीह के सुसमाचार के ऊपर स्थापित हुई है। और जब तक यह भवन खड़ा है, होने पाए महिमामय पवित्र आत्मा प्राणों तक पहुँचे, उन्हें बचाने के लिए, और पवित्र आत्मा से भरे, और बीमारों को चंगा करे। मेरे लिए यह यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।

आइए हम प्रार्थना करें।

114 यदि आप नहीं जानते कि वो कौन है, तो आप नहीं जानते कि यह सब किस बारे में है, और आप क्या जानना चाहेंगे, क्या आप बस इतना ही करेंगे जब आपके हाथ को उठाते है? और अपने हाथ उठाते हुए, कहें, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम, कि मैं उसे जान जाऊं।" और प्रभु आपको आशीष दे। और हर कहीं, मैं आपके हाथ को देखता हूं।

115 अब, स्वर्गीय पिता, हम इस संदेश को लाते हैं, और लोगों के फल उनके हाथों को उठा रहे है, कि वे जानना चाहते है कि यह कौन है। वे इस महान यीशु से परिचित होना चाहेंगे। कि, उसके पुनरुत्थान का आगमन, इतना निकट है, यहाँ तक कि रोगी चंगा होने लगता है। और यह बात जगह लेने के बाद, तब कलीसिया के अंदर भविष्यवाणी आई, उसके बाद दान और अद्भुत कार्य, अब आगे उस अंतिम चिन्ह की ओर। अगला रेपचर आएगा, कलीसिया उठा ली जाएगी। और हम, प्रभु, जिन्होंने आपके पुनरुत्थान की सामर्थ में आपको जानने का दावा किया है, हम प्रतीक्षा कर रहे हैं, और लालसा कर रहे हैं, और पुकार रहे हैं, और विनंती कर रहे हैं, "प्रभु यीशु, आ!"

116 अपनी कलीसिया का रेपचर करें और इसे जल्दी से लेकर जाए, प्रभु। क्योंकि, जल्द ही मनुष्य धरती को उड़ा देंगे, जिस पर आपने उनके रहने के लिये सृष्टी की, क्योंकि उन्होंने आपकी आज्ञा को नहीं माना है। उन्होंने शांति का अध्यन नहीं किया, लेकिन युद्ध का किया है। उन्होंने धार्मिकता

का अध्ययन नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बुराई का अध्ययन किया है। कैसे हो सकता है कि वे सारे सामर्थ के भूखे न हो! प्रभु, उनके हृदय का वह छोटा सा स्थान जो उन्हें सामर्थ का भूखा बनाता है, वे इसे कहीं तो प्रयोगशाला में संतुष्ट करने की कोशिश करते हैं, ताकि उनके साथी मनुष्य को उड़ा दे।

117 परमेश्वर, यदि वे केवल उस सामर्थ को समझ सके जिसके लिए वे लालसा रखते है परमेश्वर के पुत्र के पुनरुत्थान की सामर्थ, उनके जीवन को बदलने के लिए पवित्र आत्मा की सामर्थ; ना ही राष्ट्रों को उड़ाना, लेकिन उनके जीवन को बदलकर और उन्हें आपका सेवक बनाना।

118 बहुत से लोग जंगली जूनून से पीड़ित है, वे हमें एक ऐसे झुण्ड के नाई पहचान देते हैं हम "कुछ भी नहीं जानते," और—और "धर्म विरोधी," के नाई जैसा कि उन्होंने प्रारंभ के दिनों में किया था। लेकिन जब वे वापस लौटे, तो आनंद मानते हुए, आपको धन्यवाद देते हुए, कि वे आपके नाम की निन्दा को उठा सकते है। यही आज रात आपके बच्चों की भावना है, प्रभु, हर जगह। हम बस खुश हैं।

119 आपके दिनों में कुछ लोगों ने आपकी पहचान देने की कोशिश की। उन्होंने कहा, "वह उस जंगली मनुष्य यूहन्ना का मित्र है, जो जंगल में से बाहर आया था, जो शायद ही कपड़ो को पहिने हुए था, केवल एक पुरानी भेड़ की खाल उसके चारों ओर लपेटे हुए था। एक जंगली मनुष्य जिसने पूर्व और पश्चिम में शब्दों से टूट पड़ा, और कहा, 'कुल्हाड़ी पेड़ की जड़ में रखी है।" कहा, "वो एक—एक उसका अनुकरण करने वाला है। वह एक जंगली मनुष्य है। वो पागल है। वो अपने दिमाग से बाहर है।" वो अलौकिक सेवकाई जो आपके साथ थी, हे प्रभु, उसने उनकी आँखों को अँधा कर दिया।

120 और आज फिर से ऐसा ही है: यह महान पवित्र आत्मा प्रभु के आगमन को पहले से संकेत कर रहा है, जैसा यूहन्ना ने अपने दिनों में किया था, लोगों को अंधा कर रहा है, उन लोगों को जो देखना नहीं चाहते। लेकिन वे जो देखने की इच्छा रखते हैं, आपने उन्हें चुना है। "और वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आयेंगे," आपने कहा, "और उनमें से कोई भी नाश नहीं होगा। और मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊँगा।" इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं।

121 और जिन लोगों ने आज रात हाथ को ऊपर उठाया है, हम प्रार्थना करते हैं, हे प्रभु परमेश्वर कि आप उन पर अपने आप को प्रगट करेगे, एक अनुभव में, पुनरुत्थान की सामर्थ में। इसे प्रदान करें, प्रभु।

122 और दुसरे यहां हो सकते हैं, जिन्होंने हाथ को ऊपर नहीं उठाया होगा, लेकिन फिर भी, उनके ह्रदय में, वे जानते थे कि उन्हें इसकी आवश्यकता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीष दें, और उन्हें उनके ह्रदय की इच्छा को दें।

123 जब हम आज रात इमारत से बाहर निकलते हैं, तो होने पाए हम भिन्न व्यक्ति के नाई जाये। होने पाए हम एक भिन्न उद्देश्य के साथ बाहर जाये, जो अंदर आते हुए हमारे पास था उससे भिन्न, जो आपकी दिव्य इच्छा के विपरीत था। होने पाए हम दृढ़ निश्चय के साथ बाहर जाएं कि वेदी के सींगों को थामे रहे, जब तक हमारे प्राण संतुष्ट न हो जाए कि हमने आपके साथ एक अनुभव को पाया था, और हम जानते हैं कि हम किसके लिए बोल रहे हैं, क्योंकि हमने उस से भेंट की हैं, और उसे जानते हैं, और उसके साथ संगति की हैं। इन चीजों को प्रदान करें, पिता। बीमारों और पीड़ितों को चंगा करें।

124 हमारे प्रिय और बहुमूल्य पास्टर को आशीष दीजिये। परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उनके साथ हो और उनकी प्यारी बहनों के साथ जैसे वे सुसमाचार को गाते हैं, और अपने रेडियो में इसका प्रचार करते हैं।

125 अतिथि लोगो को आशीष देना जो हमारे दरवाजे में आये हैं। प्रभु, होने पाए वे आज रात को उनके ह्रदय में एक जोश के साथ बाहर जाये, और एक उद्देश्य कि वे, इस समय से लेकर आगे यदि वे इससे पहले आपको नहीं जानते थे, और आपकी सेवा नहीं करते थे, होने पाए वे आपकी सेवा करें। यह जानते हुए, कि, "बाकी सारी चीज़ें शून्य हो जायेंगी, लेकिन प्रभु का वचन सदा बना रहेगा।" इसे प्रदान करें, पिता।

126 हमें क्षमा करें, हमारे सारे पापों को। और होने पाए हम भेट करे उस बड़े... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

127 अब, संदेश के बाद, आइए अब हम सिर को झुकाएं और उसकी आराधना करें, जब हम उसके लिए गाते हैं।

मैं उससे प्रेम करता हूं,

अपने पूरे हृदय से।

मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

128 कितने लोग सचमुच में उससे प्रेम करते हैं? अपने हाथ उठाकर इसे गवाही के द्वारा कहे, "मैं उससे प्रेम करता हूं।" ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है? आप जानते हैं, मैं बस इस तरह से बैठना पसंद करता हूं और किसी तरह उसकी उपस्थिति को बस ध्यान से देखना पसंद करता हूं। उसका वचन, जो आगे गया है, यह हृदय में उतर गया है। यह हमें सुधार करता है। यह हमें उसकी आत्मा के अधीन लाता है। तब उसकी आराधना करना कितना आनंददायक है! अब, जब आज रात आप कलीसिया से जाते है, जाकर, उसकी आराधना करे।

129 और याद रखे, इस हफ्ते बुधवार की रात यहां प्रार्थना सभा है। रविवार को भाई नेविल के प्रसारण को भूलना नहीं, मेरा मतलब शनिवार को, नौ बजे डब्लू एल आर पी, पर। मैं बस उन्हें सुनना पसंद करता हूँ, क्या आप नही करते? चार लोग, या तीन लोग, बहुत सुंदर लगता है। पत्नी और मैं, और बच्चे, हम सब छोटे से रेडियो को निकालते हैं और—और उसके चारों ओर मंडराते है, भाई नेविल और उनके प्रसारण को सुनने के लिए, और उनके अद्भुत वचन, कि वो किस तरह से परमेश्वर की प्रशंसा करते है जिससे वो प्रेम करते है और विश्वास करते है। इसे नहीं कह रहा हूँ...

130 आप यहां पर जो अजनबी लोग हैं, यदि आपके पास कलीसिया का भवन नहीं है, तो आकर हमारे साथ जुड़े। मैं आपको बताता हूँ, ना ही कह रहा हूं, और भाई नेविल यहां बैठे है। नहीं महाशय। मैंने इसे बहुत बार कहा है। मैं भाई नेविल से प्रेम करता हूं। यह, सबसे पहले, वह एक धर्म ज्ञानी है। पहली चीज, वो परमेश्वर की संतान है। अगली चीज, वो हर दिन एक जैसा ही है। मैं उसे वर्षो से जानता हूं। वह कभी नहीं बदला, जरा भी नहीं।

वह अब भी ओरमन नेविल है, जो प्रभु यीशु का सेवक है। और मैं सोचता हूं कि उसके पास...

131 एक रात, मैंने फोन किया, उससे पूछने के लिए कि यदि उसने उसके कार्यक्रम को तैयार नहीं किया, तो हमारे लिए वहां हमारे लिए जगह को बना सके जिससे कि वहां आकर और बीमारों के लिए प्रार्थना कर सके। कुछ लोग आ रहे थे, जो कि आज सुबह था, आप जानते है। और उसकी पत्नी ने फोन का उत्तर दिया, और मैं अपनी पत्नी से इसके बारे में वहाँ पहले बात कर रहा था।

132 और कैसे हम परमेश्वर को उनकी प्रिय छोटी पत्नी और उनके परिवार के लिए धन्यवाद दें। यह बहुत अच्छा है। जब आप किसी सेवक और उसकी पत्नी को मधुरता और नम्रता से इस तरह से मिलते–जुलते देखते हैं, तो यह बस कलीसिया को अधिक बेहतर बनाता है। यह बस जैसे जैसे दिन बीतते है यह मधुर होता जाता है।

133 आप उसे अपने पूरे हृदय से प्रेम करते हैं? तो ठीक है। हमारे पास एक समाप्ति का गीत है जिसे हम गाते हैं, *यीशु का नाम अपने साथ ले।* और बहन हमें वह छोटे से स्वर को देना, यदि आपके पास ये गीत किताब में है। और हम अपने समाप्ति के गीत को गाने जा रहे हैं। और जब हम पहले पद को गाते हैं, तो हम चाहते हैं कि घूमकर एक दूसरे से हाथ मिलाये। तो ठीक है। हमें स्वर देना।

... यीशु का नाम आपके साथ,
दुःख और शोक की संतान;
ये तुम्हे आनंद और दिलासा देगा,
जहां कहीं आप जाये इसे ले।

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद; (परमेश्वर
आपको आशीष दे, भाई।)
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

आइए अब इस पद को लेते हैं:

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे ताज पहनायेगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होती है। (क्या यह अद्भुत नहीं होगा?)

बहुमूल्य... (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती पर की आशा और आनंद...

134 कितने लोगों को हमारा छोटा सा गीत याद है जिसे हम गाया करते थे, *परिवार की प्रार्थना मत भूलना*? आपको ये याद है? मैं नहीं... थेल्मा, क्या तुम इस गीत को जानती हो, या स्वर को जानती हो? आइए इसे एक बार कोशिश करें। क्या आपको ये याद नहीं है? आइये... हो सकता है कि मैं इसे आपके साथ एक बार कोशिश कर सकूं।

परिवार की प्रार्थना को मत भूलना,
यीशु आपसे वहाँ मिलना चाहता है;
वह आपकी हर देखभाल करेगा,
ओह, परिवार की प्रार्थना को मत भूलना।

135 कितने लोग परिवार की प्रार्थना करते है? ये अच्छी बात है। आइए इसे फिर से कोशिश करे। मैं इसे यहां वापस गाऊंगा। मैं इसे पसंद करता हूं। अब सब एक साथ:

परिवार की प्रार्थना को मत—मत भूलना,
यीशु आपसे वहाँ मिलना चाहता है;
वह आपकी हर देखभाल करेगा,
ओह, परिवार की प्रार्थना को मत भूलना।

136 हे प्रभु, ये वचन में लिखा है, कि उन्होंने पौलुस के शरीर में से रुमाल या अंगरखा लिया, और अशुद्ध आत्माये लोगों में से निकलने लगी, और रोगी चंगे हुए। हम प्रार्थना करते हैं, हे प्रभु, कि इसी तरह से, यह आज रात को इस पर दिखाया जाए, जैसा कि मैं उन्हें जरूरतमंदों और बीमारों के लिए भेजता हूं। कहीं तो बाहर देशो में, वहां कोई तो घटित होने की अपेक्षा

कर रहा है और प्रतीक्षा कर रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप इसे अपने पुत्र यीशु के नाम में प्रदान करें। आमीन।

137 अब मैं यह पूछने जा रहा हूँ, जब हम सिरो को झुकाते हैं, क्या हमारे सबसे बहुमूल्य भाई स्मिथ वहाँ पर, जो चर्च ऑफ गॉड से है, जिसे हमने यहां पाया है, बिल्कुल जैसे हमारे भाई नेविल के जैसे ही है, एक वफादार, विश्वासयोग्य, परमेश्वर का सेवक, मैं उनसे आप पर आशीष मांगने के लिए कहूँगा, ताकि इस आने वाले सप्ताह में ये जारी रहे। परमेश्वर आपको आशीष दे, जब तक हम आपसे दोबारा न मिलें।

138 भाई स्मिथ। [भाई स्मिथ प्रार्थना करते हैं—सम्पा।] हाँ, प्रभु। इसे प्रदान करे, प्रभु। हाँ। हाँ। हाँ। हाँ। आमीन।

139 एक दूसरे से हाथ मिलाएं। भवन में फिर से स्वागत है। परमेश्वर आपको आशिष दे।

यह कौन है? HIN59-0510E

(Who Is This?)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में मातृ दिवस पर, रविवार शाम, 10 मई, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org